आरती अंकलीकर टिकेकर

अकादेमी पुरस्कारः हिन्दुस्तानी गायन संगीत

ARATI ANKALIKAR TIKEKAR

Akademi Award: Hindustani Vocal

कर्नाटक के विजयपुरा (बीजापुर) में 27 जनवरी 1963 को जन्मी, श्रीमती आरती अंकलीकर टिकेकर ने वसंतराव कुलकर्णी, किशोरी अमोनकर और दिनकर कैकिनी जैसे गुरुओं के संरक्षण में हिन्दुस्तानी संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपका सम्बंध आगरा, ग्वालियर और जयपुर घरानों से है।

आप गुरु के रूप में सावित्रीबाई फुले विश्वविद्यालय और भारती विद्यापीठ, पुणे जैसे कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों से जुड़ी हुई हैं।

हिन्दुस्तानी संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको कुमार गंधर्व पुरस्कार (2006), कोंकणी फिल्म अंतरनाद (2006) और मराठी फिल्म संहिता (2012) के लिए सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समेत कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपके गीतों की कई रिकॉर्डिंग उपलब्ध है।

श्रीमती आरती अंकलीकर टिकेकर को हिंदुस्तानी गायन संगीत में योगदान के लिए वर्ष 2020 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

Born on 27 January 1963 at Vijaypura (Bijapur) in Karnataka, Shrimati Arati Ankalikar Tikekar was groomed in Hindustani music under the tutelage of Vasantrao Kulkarni, Kishori Amonkar and Dinkar Kaikini. She belongs to the Agra, Gwalior and Jaipur gharanas.

Shrimati Arati Ankalikar Tikekar has been associated with many prestigious cultural institutions such as Guru at Savitribai Phule University, and the Bharati Vidyapeeth, Pune.

For her contribution in the field of Hindustani music, she has been honoured with the Kumar Gandharva Award (2006), the National Film Award for best playback singer for the Konkani film *Antarnaad* (2006), and for the Marathi film *Samhita* (2012). She has many recordings to her credit.

Shrimati Arati Ankalikar Tikekar receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2020 for her contribution to Hindustani vocal music.